सड़क पर उतरे गन्ना किसान

गाजियाबाद/नोएडा/ मेरठ। लंबे समय से चीनी मिल मालिकों से बकाया गन्ना मूल्य भुगतान न होने के कारण गुस्साए किसानों ने गुरुवार को प्रदेशव्यापी चक्का जाम किया। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले उतरे किसानों ने खासतौर पर पश्चिमी यूपी के जिलों में जगह-जगह सड़क जाम कर यूपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की। विस्तृत पेज 13 पर

किसानों ने रोकी रफ्तार, लगा जाम

एनएच-24, 58 और 91 पर किया प्रदर्शन, एडीजी, कई जज व एबुलेंस भी फंसी

अमर उजाला ब्यूरो

बुलंदशहर/हापुड़/गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले गन्ना किसानों ने बकाया भुगतान के लिए बृहस्पतिवार को जगह-जगह हाईवे जाम किया। किसानों ने अर्द्धनग्न होकर यूपी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी किसानों से अफसरों की नोकझोंक होती रही।

सुबह 10 बजे से लगा जाम दोपहर बाद ही खुल सका। जाम में अपर पुलिस महानिदेशक, कई जज और एबुलेंस भी फंस गई। तेज धूप और उमस के कारण जाम में फंसे हज़ारों यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

हालांकि भाकियू ने जाम में फंसे लोगों के लिए पानी और शर्बत की व्यवस्था कर रखी थी। अधिकारियों ने एहतियातन रूट डायवर्ट कर दिया। हाईवे पर बसों का भी संचालन इस दौरान बंद रहा। किसानों ने बुलंदशहर में भूड़ चौराहे पर एनएच-91 और मेरठ-बुलंदशहर रोड, औरंगाबाद में बुलंदशहर-औरंगाबाद-गढ़मुक्तेश्वर स्टेट हाईवे, बीबीनगर में बस स्टैंड मेन रोड, नरसैना में पुल चौराहे, स्याना में बुगरासी रोड पर जाम लगाया। गढ़ में बाईपास, ततारपुर और सिंभावली में हाईवे जाम किया। मोदीनगर में काजमपुर गेट, मोदी शुगर मिल के सामने हाईवे और भोजपुर में हापुड़ मार्ग पर जाम लगाया। किसानों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा।

ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर प्रदर्शन करते किसान।

परी चौक पर किया चक्का जाम

ग्रेटर नोएडा (ब्यूरो)। गन्ना किसानों का बकाया भुगतान और जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने परी चौक पर चक्का जाम किया। वहीं जेवर कस्बे में जाम कर यातायात बाधित रखा। बृहस्पतिवार सुबह भाकियू कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए परी चौक पर पहुंचे और वहां जाम लगा दिया। चौक पर ही किसान धरने पर बैठ गए। पुलिस ने परी चौक से निकलने वाले वाहनों को दूसरे मार्गों के लिए डायवर्ट कर दिया। परी चौक के बंद होने से सौ मीटर की दूरी को पार करने के लिए चालकों को तीन से चार किमी की दूरी तय करनी पड़ रही थी।

अमर उजाला
22/8/14